





वे स्याहा ॥ ॐ जाम्भिन कृताडवतार्थनमः ॐ स्याहा ॥  
यश्च यहा नयुजा मुक्ति ॥ ॐ सय्यसामा महीयुग्वृक्ष  
इदमग्नरु रग्नः ॥ जनिवनाय हा नाड केडुड मन्त्र  
मा म्यह ॥ • ॥ धनत्रय विंगतिन कृतायाग ॥ वाद्यादि  
प्रयन्यास ॥ ॐ कृत्तिका लाहिनी चैव मृगशिरा जातय

राच सुयुध्याः शुभ सुधैर्वैवः नृणां निरसक न कृताय  
वहानिकासि गाय स्याहा ॥ मद्यायवृक्ष कालुन्याड र  
कालुनि सुधैर्वैव ॥ हस्तयिग्रा गृथ स्याति विंगमया  
रोगथयनानु नानि स क न कृतातिड कि न स्यां दिगि  
सिमिताय स्याहा ॥ ॐ नृनाडा गथडो वा मलायुवा



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



ना विद्यतय स्वाहा ॥ उँ ॐ नमो ना देवा विद्यतय स्वा  
हा ॥ उँ वसुः शि लो का विद्यतय स्वाहा ॥ उँ यन्त्राय न  
मो विद्यतय स्वाहा ॥ उँ सूर्याय स्वाहा विद्यतय  
स्वाहा ॥ उँ पृथिव्यै ला को मा त्र्यः ॥ उँ व्यास वि  
द्याय नमो स्वाहा ॥ उँ नागस्य ला वि

यमय स्यात् ॥ यश्च यहा न वूडा मुक्ति ॥ ॐ हा  
दया महावीला लोका नाना हृदि का ॥ ॐ यदि  
कसि तावीना लोक वालं न मा म्य ह ॥ तदनुधान  
लका य नृ प्रिमान ॥ तदनुज्ञा नृ प्रिमान न व  
गुह्ये हाडा ॥ धन हा व ल व नी वृ आ या य ॥ धुलि



बलाहमत शायक स्वमिवाचन ॥ ५५ ॥ साम्यं क  
ननक ॥ वडासु ति ॥ ६ ॥ रिम लिबल ह्यो नास्य  
हयस्या लिहयंकन ॥ वडसूर्ययस्य दिकनाह  
वेवला साम्यह ॥ ० ॥ ॥ थन विवननथं वकन

य२

कासक अर्थयायथन ॥ ५५ ॥ मानक गव ॥ ५५ ॥ नक  
निमनुनागमथयनथो ॥ अर्थमसद ल ॥ ५५ ॥ मथ  
दि ५ ॥ कननक ॥ थनव्यकन ॥ स मन्वाह न ५५ ॥ मा  
वडासूर्ययन्द स्वमि सखायह ॥ ५५ ॥ मानस्यानु  
कयाय शगक मुग्रहमनु ले ॥ ५५ ॥ ॥ थनवकि







स लो ~~सर्व~~ सर्व सव ति दा यनी ॥ श्री ख कु न्दु न्दु  
व लो ~~सर्व~~ सव सत्वा त्म का यना ॥ १ ॥ धन सा ह  
म य म द न या ॥ नृ न ल ॥ उं श्री वा स का ना य धा  
म की श्री सा ह सव म द नी ल दान का य नृ नृ य ना  
क स्या हा ॥ उं नृ म न य न व न य व न वि नृ नृ नृ

५ नमस्तुते x

कृष्ण १

इ स्या हा ॥ कृष्ण नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ  
व लो नमस्तुते नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ  
नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ  
ति वि सव नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ नृ  
ति ॥ ~~सर्व~~ सर्व सव सत्वा त्म का यना ॥ १ ॥ धन सा ह



ह्रीं नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ विज्ञानं वन्द्यं विद्वान्माह  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा

याः यत्र लोका गच्छन्ति तत्रैव गच्छन्ति नः शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा  
शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा शुद्धात्मा



स्मि

स्वानः श्रुति श्रानः या डा वि वा

शानिंया त मृष्टया लः वदय र क र त मः कि म्बनि  
य द्वा लाने ला रा मंग र ड्डाः ला डा य था मश्य न ध  
का डाः ये य ड य का लि वा डा डाः ना लि ह्य न म्ब य का व  
मृष्ट व ग था ल का डाः मृष्ट स स्तान सः मृष्ट यि य सः मृ  
ष्ट दि ग सः मी य ल मे म्ब लि ह द्वा नी द यी या नः वृ लः हृष्ट

डा म्ब डा म्ब म्ब निनः यू य म्ब त था म्ब य म्बः दि य म्ब त  
म्ब य दि यः ने वि य म्ब म्ब म्ब सः म्ब र्मु य्म डा डाः य थ न  
ला ग म्ब म्ब म्ब ड्डाः म्ब डा य था मश्य न ध का डाः थ न्य  
या त म्ब म्ब ल म्ब म्ब डा थ का डा अ न याः आ नि डा य का  
डाः अ म य त का या त का डाः आ डा

क नु त म्ब य



नः। रुमिदानः। शास्त्रिदानः। यमदानः। यथागम्युत्त  
 यामः। ययुहः। ययामिमहिनः। ययुहः। ययुहः। ययुहः।  
 ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः।  
 ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः।  
 ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः। ययुहः।

उपकातः यदा ॐ हृद डानाः रुतदे डाना या का. व  
कृष्णान चक्रा न दा हाय स्यैः यमस्य च्यतः ॐ हृद  
दम या के च्योः यथा नला गया का ता या ना म हः य  
का यः नृ हृद य के स्यो यो का यिन उ म यु नि द न  
विश्व का नः का य र नः वल वृद्धिः य ना के मः न च्य च वि

一箇奇人



११८  
ॐ नमो ब्रह्माय ॥ अष्टदिक्कसुमसंकाशाददा ॥ पूर्वमुखदिन  
दासन ॥ इदं कुरु सिद्धनवजिह्व ॥ नमामि अकारयत्राऊतंसुग  
रसुमत्रनमस्तुवा ॥ १ ॥ वनराकननत्रभाकसहित  
मुखवासिगमाने मंस्वामित्रनमस्तु तथीवृद्धसुखरु  
दायकः सुगत ॥ २ ॥ इति विसृज्य धीनतमं वः वि

रवसुप्रददायकः ॥ यथा कायत्रनक्तिवराददः ॥ नमामि  
मुत्रर्गवाहनं सुगतसुमत्रमस्तुवा ॥ ३ ॥ उदिता  
नत्रविक्रितलददकनमूत्रनिध्यात्रिर्गः ॥ मयूत्रवा  
हनध्यानमूत्रनिः ॥ नमामि मुत्रर्गवाहनं सुगत ॥ ४ ॥  
सुप्रदनिजालकनददाः ॥ हलिवर्षसुत्राजिर्गः ॥ ५

॥ ११८ ॥

॥ ११८ ॥

॥ ११८ ॥







ध्यातिववाक्कदादनवियः विधिस्थं वाक्कं योजाः आदि  
यग्रदङ्गगदयाव, कननकद्वनसं वाक्कदायाकं  
ध्यातिव, कलखव कायाव, गुरुसहायकं गय, वाक्  
यायूव ॥ धनं लिग्रयतिव, हामवकुठसह, लख  
हायकं गयूव, वाक्कयायू, अद्यादि x उज्ज्यादि यादि  
य

काष्ठययुगाय, अगस्ति कवगाय, अमृतकृन्तवगाय  
धनूत्वं भवन्नृणां, उगयानन्दकालक, सृजदवयुसान्ध  
र्थ, मगसान्तिं ययुक्कम, उज्ज x स वीविद्यायसान्धर्थ, स  
वोयदवमाचनार्थ, यददायायसान्तिव, यद्विकृव  
नुसावदा, ०० मां नजग धातिव, वस धनूदकिनासं



यथायथा मयर्हं सा निधानं सामाजिकः हि नृपगद्गु सयूक्तं  
ग्रहदाय प्रनासाय सा निन्क वन्तु सर्वदा ॥ १ ॥ सा ॥ नमो  
सामाय की नाधु विसंरगाय नमो सगाय सा ध्वगद वगा  
य ही खल नमं नृथरा जगदानन्द नाच नाय चन्द व वसू  
प्रितार्थ मग सान्नि पुय च्छम ऊजमा x ॐ मां न x ही ख

दक्र दम उर्यं अरु सं प्रय च्छामि ही ख प्र निष्ठार्थ द  
क्रि दम सं प्रयथा मयर्हं ॥ १ ॥ नमो नि यूर्व वग ॥ अं ॥ न  
मा अमी नाय उमि सगाय ॐ ध्व ना धि दे वगाय व  
वत्तं धर्म नृथरा मगी ना ना च मगी ल सामध व प्रसा  
न्यार्थ मग सान्नि पुय च्छम ऊजमा x ॐ मां न x अ



न हान सवयः पूर्यं जूदं यय क्कामि । न जग घतिग जून  
युगिष्टार्थ दकि ण सय दाय जाम्प दं ॥ ०० मां न क  
सवययिदि ॥ १ ॥ अथ वा गुदया गुसमायु क  
दि न वधग द सस्तिगः । ग्रह दाय य सान्ध धः । सान्दि न्द  
वृत्तु सर्वयो ॥ ३ ॥ वृधया ॥ वृधय साम सगायः ।

नाहिनी नक्र गायः । वज्रसूय दव गाय । सुवर्ण सिद्धि न  
थनः । उगरा रुक्मिक का नव । वृध दव सुयि गार्थ । गत  
सान्दि यय क्कामि । उजमा ॥ ०० मां सुवर्ण दकि ना सयय  
क्कामि । सुवर्ण दकि ण य निष्टार्थ । दकि ण स ॥ १ ॥ गाय  
॥ ४ ॥ वृहस्य मि ॥ वृहस्य गय अमी न सगायः । वज्र



वेदायः दवगुत्रया ध्यायः अक्राय दवगायः धीगायः  
 नाधनाः ध्यायः ॐ हार्थ सर्वसाधकः गुत्रुदवसूयः  
 गार्थः गगनान्नि स्याय यच्चुमः ऊऊ मा ५ ॐ मायी ग  
 नासय ववोदियागिद्यार्थः दक्रि नास ५ ॥ १ ॥ १ ॥  
 नमायु काय रु गु सगायः दय गुत्रया ध्यायः वेनाच

न कलाहवायः अस्वत्वं विदुत्रयः देवानादितका  
 नकः गुत्रुदवसूयः सिका माथः गगनान्नि ययचुमः ५  
 ऊऊ मान ५ ॐ माय ५ अस्व दक्र ना अरु गुत्रय स ५ ॥  
 नमागानि यत्रायः आदिय यत्रायः सन सगायः का  
 याग इ स गुत्रायः ५ विद विषय स रगायः अक्रा



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



एकवर्गायः कर्त्तुं लघुन्याम्यर्त्तुं दध्न्युयवसंक्रमः  
हानिद्वयसा-न्यर्थः मगसां क्रिययच्चमः उज्जमा  
ॐ मां न x ॐ दध्न्युयवसं क्रियार्थः दध्न्युयवसं x ॐ मां  
मां विद्विद्यादिपूदं संयुक्त्याम्यर्त्तुं मां ला  
दसमायुक्तं हि नदध्न्युयवसं क्रियार्थः उज्जमा  
ॐ मां न x ॐ दध्न्युयवसं क्रियार्थः दध्न्युयवसं x ॐ मां

न्यर्थः सान्निर्कृत्तुं सर्वदा ॥ १ ॥ नमाजाहवः उज्जमा  
मृगद्विद्यायः सिंहसगायः कलिषाध्वनदगायः स्व  
मेत्वं यामव्यनः सिंहनासिंदवि कुमः नाह्वद्वयसा  
न्यर्थः मगसां क्रिययच्चमः उज्जमानन्यग्रु x ॐ मां  
स्वमेदध्न्युयवसं क्रियार्थः दध्न्युयवसं x ॥ ६ ॥ न



भाकरवकाठसुगायस्वमेयाठहस्ताय। काठवन्दु  
यगः। त्रीदानीं त्रीदविकनककुदवप्रतान्यर्थः। मह  
गसान्निप्रयकुम्भः। उजमानस्य॥ ॐ मां नृ५ काठस  
हृदक्रिष्णप्रगिद्वार्थः। काठदक्रिनात् ५॥ २ ॥  
उजमनकपदवतायः। उजमान ५ ॐ मां नृजगद्य

तिगः॥ ॐ हस्योयगिद्वार्थः। दक्रिष्णसं ५ ॐ दं अश्व  
कुमन्त्रः। विद्विद्यादिमहं पुर्यस्युदावयाम्य ॥  
लिकदक्रिष्णविद्यः। अतिवृद्धिविद्यः। सादना  
विः। अतिवृद्धिविद्यी॥ स्याद्दक्रिष्णः। वाक्काठवन्दु  
कननकागावत्रिकोय॥ थं विवर्षवायकः। काठ



सकायः धं निज्जमान कायध्वनयाय ॥ गुन  
मशुलादिनि । म । गा ॥ शिकायाध्विस्तान ॥ सग्य  
जायस्वान् चक । रुलाहि कक । स्वीमनाया ० स  
मायः ॥ पुठियूजा । विसर्जनः ॥ गुनयूजा । दक्षिण  
कमायनः ॥ यंचचलकायः । लिदक्षः । कवः ॥ स्वा

अलिषकः ॥ आसिर्वदि । सुगानः ॥ जजमानः ॥ काविय  
जानककाय ॥ नि कश्चवविचयः ॥ आकूत ॥ समयः ।  
विसर्जनः ॥ मशुलसलालयायः ॥ प्रजासिधकः ॥ मा  
कावविष्कायः ॥ पिठिआदिनः ॥ नाद्रमराः ॥ काववि  
गुनवविचयी ० स ॥ यचरनकाद्वनथानस । इवान



पक्रागायत्रा ध्वं विममचक्रः ॐ संक्रिययश्च  
क्राविधमनसमायकः ॥ वाक्क्रोद्योगदानवियकंथ  
वास्यमयाश्चागुरुः ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ गुरुमस्तु सर्वदा ॥

१०॥

हयागिर्यामिमत्रयः ॥ जाविस्वस्त्यामिनाम् ॥ ॐ ॥



॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥

॥ ० ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



















सीयसाहा ॥ ॐ रुड कानी यसाहा ॥ महाका नीय  
॥ ॐ उ चि वा यै वठ वृष्य यती कसाहा ॥ ववध वध  
हानवूजा सुति ॥ ॐ चि वा यनमसु ॥ ॐ चि वा य  
नमानम ॐ रुड काली महा काली ॐ चि वा यन  
मसु ॥ ॥ धनवेलिसलेख हायवै ना ॥ ॐ सां ॥

ॐ चि वा लि ॥ ॐ १ यि व २ उ ॥ २ सम यन केश  
सम सर्व सत्या नाक सर्व सिद्धि ययक सु ॥ ॐ १ रु  
ढसाहा ॥ यन ॥ कुर २ वताली महा वताली ॥ ॐ  
ओ वा रु नी महा ओ वा रु नीयः सु सिद्धि यममेय  
रु काथनी डिलाः सु नायक सिमहायक सि







ग्रावणसहाय॥ वक्रनका विक्षनमाह॥ नकसगनीह  
वधिप्रयायः नृसीधनमाहकृया॥ सासारिवनरुह  
मिवविप्रयायमेकलवाहनवास्वः॥ नोनवद  
महलवाय॥ यथामडातथ्यथयनोयाय॥  
कुल्लवकनलः नकिलयूया॥ वक्रनाकिहक

ताम्यं यवाकुरुं॥ तलुलवनाकाननस्यः नवग्रह  
थमयनोयाय॥ गृहवनिदिशवलि॥ नाहुमह  
ननाहवलि॥ नकाथानवेवहला॥ वक्रनका  
पृथी॥ वक्रनकावलि॥ साहिकावलि॥ वक्रह  
होनीः मगथुतिआदिवं॥ डावलखुनिययनंथ







॥ हा ॥ वरु म ॥ उं विम ल विव ल ड य व ल ॥ म वि  
ल है है है रु ट स्या हा ॥ उ है न ॥ रु न २ सं रु न २ ०० डि  
व ल वि लो कि नी य है रु ट स्या हा ॥ वि दि ग ॥ उं का  
ली व स्या हा ॥ क ली ली ये स्या हा ॥ कं का ली य स्या हा ॥  
श ॥ रु रु नी य स्या हा ॥ व ॥ य स व हान वृ डा मृ ति ॥ ६

उं य ति स न न स मृ त्यु म र्व सं य ति दा य नी ॥ श र व क  
नृ व र्णो री व नी ॥ २ स व स र्वा त्म का य ६ ना ॥ उं रु व  
व र्ण स हा द्या ना का धि त्वा री म री व नी ॥ इ र्ण न रु  
न संह नि क्रा य व डि न मा मृ ह ॥ उं म हा हा ना ह वा डे  
नी ह स व र्ण य रा क नी ॥ म य नी य न मा मृ त्यु वि द्या ना